an>

Title: Need to start special schools for deaf and dumb children of Uttar Pradesh.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : उपाध्यक्ष महोदय, हमारे समाज में कुछ विशेÂा प्रकार के, जैसे मूक-बधिर बच्चे होते हैं जो सामान्य रूप से अपना जीवन जी नहीं पाते। ऐसे बच्चे सामान्य रूप से अपना जीवन जी सकें, इसके लिए आवश्यक है कि ऐसी सुविधाएँ उनको उपलब्ध कराई जाएँ जिससे अक्षमताओं पर विजय प्राप्त कर सामान्य जीवन जीने में उन्हें मदद मिल सके। परंतु वास्तव में ऐसा नहीं हो पा रहा है। ऐसे बच्चे जो मूक-बधिर हैं, उनकी शिक्षा के लिए कुछ विद्यालय तो हैं, परंतु उनकी संख्या पर्याप्त नहीं है, तथा जो विद्यालय हैं भी, उनमें प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी है। ऐसी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन विशेÂा विद्यार्थियों को सामान्य परीक्षार्थियों की भांति एक समान बोर्ड से परीक्षा देनी पड़ती है और उसी पाठ्यक्रम का उपयोग उनको भी करना पड़ता है जो सामान्य विद्यार्थी करते हैं। ऐसे में उनको परीक्षा पास करने में बहुत ही कठिनाई होती है। जैसे उत्तर प्रदेश बोर्ड में यूपी बोर्ड द्वारा ही सामान्य और विशेÂा बच्चों की परीक्षा एक सामान्य पाठ्यक्रम के द्वारा ली जाती है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूँ और मांग भी करता हूँ कि उक्त विशेÂा जो विद्यार्थी बच्चे हैं, उनके लिए विद्यालयों की विशेÂा व्यवस्था की जाए तथा प्रशिक्षित शिक्षकों की उनके लिए ज़रूरत है, उसकी व्यवस्था हो। अतः आवश्यक है कि ऐसे विद्यार्थियों की परीक्षा सामान्य परीक्षार्थियों के साथ न लेकर इनके लिए विशेÂा बोर्ड बनाया जाए तथा इनके लिए विशेÂा पाठ्यक्रम की व्यवस्था भी की जाए।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Sudhir Gupta, Bhairon Prasad Mishra and Shri Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the matter raised by Shri Ajay Mishra (Teni) during "Zero Hour" today.